Mera Shankar Bhola Bhala | By Nikunj Prem |

अपनी मस्ती में रहता है
मेरा शंकर भोला भाला
शंकर भोला भाला मेरा
शंकर भोला भाला
वो तो राम राम ही कहता है
मेरा शंकर भोला भाला

वो है साधु वो सन्यासी
वो ही है अविनाशी
घट-घट में है वास उसी का
वो ही घट-घट वासी
वो है घट-घट वासी
वो तो प्रेम धार संग बहता है
मेरा शंकर भोला भाला
अपनी मस्ती में रहता है
मेरा शंकर भोला भाला

सत्य शिव है सुंदर शिव है
शिव ही धरती अंबर
जटा जूट में गंगा विराजे
तन पे है बाघंबर
तन पे है बाघंबर
कैलाश पर्वत रहता है
मेरा शंकर भोला भाला
अपनी मस्ती में रहता है
मेरा शंकर भोला भाला

शिव की महिमा कही न जाए
वो अनादि अनंत है
जग का पालन करने वाला
वो आरंभ अंत है
वो विष के कष्ट को सहता है
मेरा शंकर भोला भाला
अपनी मस्ती में रहता है
मेरा शंकर भोला भाला

https://bhaktivandana.com/lyrics/mera-shankar-bhola-bhala-by-nikunj-prem/